ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

मीरा के पद

कक्षा - दसवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ४
पाठ का नाम : पद (मीरा)
PPT-2

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

मीरा के पद (व्याख्या)

1.हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी , आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि , धरयो आप सरीर।
बूढ़तो गजराज राख्यो , काटी कुञ्जर पीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर , हरो म्हारी भीर।।

शब्दार्थ

हरि - श्री कृष्ण
जन - भक्त
भीर - दुख- दर्द
लाज - इज्जत
चीर - साड़ी , कपडा
नरहरि - नरसिंह अवतार
सरीर - शरीर
गजराज - हाथियों का राजा ऐरावत
कुञ्जर - हाथी
काटी - मारना
लाल गिरधर - श्री कृष्ण
म्हारी - हमारी

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

व्याख्या -: इस पद में कवयित्री मीरा भगवान श्री कृष्ण के भक्त - प्रेम का वर्णन करते हुए कहती हैं कि आप अपने भक्तों के सभी प्रकार के दुखों को हरने वाले हैं अर्थात दुखों का नाश करने वाले हैं। **मीरा उदाहरण देते हुए** कहती हैं कि जिस तरह आपने द्रोपदी की इज्जत को बचाया और साड़ी को बढ़ाते चले गए ,जिस तरह आपने अपने भक्त प्रह्लाद को बचाने के लिए नरसिंह का शरीर धारण कर लिया और जिस तरह आपने हाथियों के राजा भगवान इंद्र के वाहन ऐरावत हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से बचाया था ,हे ! श्री कृष्ण उसी तरह अपनी इस दासी अर्थात भक्त के भी सारे दुःख हर लो अर्थात सभी दुखों का नाश कर दो।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न –

१. कवयित्री के अनुसार किसकी प्राणरक्षा के लिए हरि ने नरहरि का शरीर धारण किया था ?

२. ' बूढ़तो गजराज राख्यो , काटी कुंजर पीर ' का भाव क्या है?

३. हरि किसकी साड़ी को बढ़ाते चले गए ?

४. मीरा गिरिधर से किसकी पीड़ा हरने के लिए कह रही हैं ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(2)

2.स्याम म्हाने चाकर राखो जी,गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखोजी
चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ ।
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविन्द लीला गास्यूँ ।
चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची ।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी ।

शब्दार्थ

स्याम - श्री कृष्ण
चाकर - नौकर
रहस्यूँ - रह कर
नित - हमेशा
दरसण - दर्शन
जागीरी -जागीर , साम्राज्य
कुंज - संकरी

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

व्याख्या -: इस पद में कवयित्री मीरा श्री कृष्ण के प्रति अपनी भक्ति भावना को उजागर करते हुए कहती हैं कि हे !श्री कृष्ण मुझे अपना नौकर बना कर रखो अर्थात मीरा किसी भी तरह श्री कृष्ण के नजदीक रहना चाहती है फिर चाहे नौकर बन कर ही क्यों न रहना पड़े। मीरा कहती हैं कि नौकर बनकर मैं बागीचा लगाऊँगी ताकि सुबह उठ कर रोज आपके दर्शन पा सकूँ। मीरा कहती हैं कि वृंदावन की संकरी गलियों में मैं अपने स्वामी की लीलाओं का बखान करूँगी । मीरा का मानना है कि नौकर बनकर उन्हें तीन फायदे होंगे पहला - उन्हें हमेशा कृष्ण के दर्शन प्राप्त होंगे , दूसरा- उन्हें अपने प्रिय की याद नहीं सताएगी और तीसरा- उनकी भाव भक्ति का साम्राज्य बढ़ता ही जायेगा।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न –

१. मीरा श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है?
२. मीरा भाव - भक्ति रूपी जागीर कैसे प्राप्त करेंगी ?
३. मीरा कृष्ण के विहार के लिए क्या बनाना चाहती है?
४. मीरा कौन -सी तीन बातें पूरी होने की बात कर रही है?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow